भारत में जनांकिकी संक्रमण और शिशु मृत्यु-दर

निकहत परवीन*

डॉ० मधुरिमा मिश्रा**

भारत में जनांकिकी विशेषता शिशु मृत्यु-दर के लिए एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है। जन्म-दर तथा मृत्यु-दर दोनों ही 1951 तक नीचे की ओर गिरता रहा, लेकिन जन्म-दर की तुलना में मृत्यु दर 2020 तक ज्यादा कम हुआ। परिणामतः औसतन 2 से 2.4 प्रतिशत वार्षिक राष्ट्रीय वृद्धि दर रहा। 1980 के मध्य में प्रजननता का दर ऊँचा और मर्त्यता का दर निम्न रहा। इसका अर्थ यह है कि विकासशील देशों जैसे भारत में 40 प्रतिशत जनसंख्या 15 वर्ष उम्र के नीचे थी। भारत, विश्व में चीन के बाद दूसरा महत्त्वपूर्ण अधिक जनसंख्या वाला देश है। भारत का विकास एक महत्त्वपूर्ण अध्ययन का विषय है। भारत लगातार आर्थिक समस्याओं का सामना करता रहा है, जैसे—गरीबी की समस्या, असमान आय, बढ़ती हुई बेरोजगारी, क्षेत्रीय असंतुलन, अधिक जनसंख्या के लिए निवास की कमी, जिसका सम्बन्ध जनसंख्या वृद्धि से है।